भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1008

सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

असम में प्रसाद योजना

1008. श्री परिमल शुक्ला बैद्यः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम में तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत अब तक शामिल किए गए विभिन्न धार्मिक स्थलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सिलचर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक भुवन तीर्थ, मां कच्चाखंती मंदिर और सिद्धेश्वर मंदिर को उक्त योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है; और

(ग) यदि उपरोक्त धार्मिक स्थलों को उक्त योजना के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया है, तो सरकार द्वारा उन्हें शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय "तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान" (प्रशाद) के तहत राज्य सरकारों एवं संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को चिह्नित गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

प्रशाद योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने 2980 करोड़ रुपए की लागत की 'कामाख्या मंदिर में तीर्थस्थल सुविधाओं का विकास' नामक एक परियोजना स्वीकृत की है। हालाँकि, प्रशाद योजना के तहत भुवन तीर्थ, मां कच्चाखंती मंदिर एवं सिद्धेश्वर मंदिर के स्थलों को चिह्नित नहीं किया गया है।

राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और इन परियोजनाओं के लिए निर्धारित शर्तों के अनुपालन एवं निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

******